

26/6/19

पतावली पंरा हुई। वकील वाली व लम गुनी दाजी
नही। वाक-वाक आवाज लगाई गई। वाक-वाक
आवाज लगाने पर भी वां वां वकील वाली दाजी
गौर ना ही गनी लंबे हाजीर। अहा. पार्थना-पुत्र
अल्पाई निवेद्याना को अहम दाजी अहम पंरा में
स्वाधीन मिला जाता है। पतावली फौजला सुमाए होकर
नमन ले कम हो व हाजीला रुपतर हो।

(Signature)

उपखण्ड अधिकारी
उदयपुरवादी (मुन्डु)